श्री शरद पवार: जब हमारा माल तैयार हो जाएगा वह एसेंशियली नॉर्दन इंडिया में तैयार हो जाएगा जैसा मैंने शुरू में कहा कि जो मिनिमम सपोर्ट प्राइस है जिस पर सरकार परचेज़ करने करने वाली है, इसमें कोई असर होने वाला नहीं है, वह कीमत देने की कमिटमेंट भारत सरकार की है, भले ही कीमत नीचे जाए तो भी मिनिमम सपोर्ट प्राइस देकर हम परचेज़ करेंगे और जितना मिलेगा वह हम परचेज़ करेंगे।

**102. [The questioner (Shri B.J. Panda) was absent. For answer vide page 36.]*

**103. [The questioner (Shri Raj Kumar Dhoot) was absent. For answer vide page 37.]*

रेल दुर्घटनाएं

*104. **श्री मोती लाल वोरा:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले दो वर्ष में कितनी रेल दुर्घटनाएं जनता की सूझबूझ और सक्रियता के कारण टल गई;

(ख) उन व्यक्तियों के नाम तथा पते क्या हैं जिन्होंने इन दुर्घटनाओं को रोकने में सहयोग किया;

(ग) सरकार ने इन लोगों को क्या पुरस्कार प्रदान किया है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर. वेलू): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) पिछले दो वर्ष में (2004-05 और चालू वर्ष 2005-06 में आज तक) सचेत जनता द्वारा दस दुर्घटनाओं का टाला गया।

(ख) और (ग) इन व्यक्तियों तथा उन्हें प्रदान किए गए पुरस्कारों का ब्यौरा नीचे लिखे अनुसार है:

क्र. सं.	नाम और पता	रोकी गई दुर्घटना का ब्यौरा	क्षेत्रीय रेलवे	रेलवे द्वारा पुरस्कार का ब्यौरा
1.	श्रीमती अमला मेरी, कालकुलम, कन्याकुमारी और श्री देवराजन पट्टावलै, कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	09.07.04 को रेलपथ पर गिरे मलवे को देखा तथा 371 पैसेंजर के ड्राइवर को सचेत किया।	दक्षिण	प्रत्येक को 2500/- का नकद पुरस्कार
2	श्री भाऊलाल राधाजी दियोरे और हरी चंद्र राधाजी दियोरे, ग्राम: साईगांव, ता. यिओला, जिला नासिक, महाराष्ट्र	03.05.2005 को वेल्डन की टूटफूट को देखा और 591 पैसेंजर गाड़ी को रुकवा दिया।	दक्षिण मध्य	प्रत्येक को 2500/- रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशास्ति पत्र

क्र. सं.	नाम और पता	रोकी गई दुर्घटना का ब्यौरा	क्षेत्रीय रेलवे	रेलवे द्वारा पुरस्कार का ब्यौरा
3.	श्री भीमान्ना, सुपुत्र सैन्ना, मांछीवेल्लीपल्ली, ग्राम: मेहबूबनगर जिला, (आंध्र प्रदेश)	29.11.2005 को टूटी हुई पटरी को देखा और 568 पैसेंजर गाड़ी को रुकवाया	दक्षिण मध्य	1000/- रुपये का नकद पुरस्कार
4.	श्री गोंविदप्पा दारोजी, तिमलापुर, बेल्लारी, कर्नाटक	01..8.04 को रेल पटरी में बहुल टूटफूट को देखा और 6591 गाड़ी को रुकवाया	दक्षिण पश्चिम	1000 रुपये का नकद पुरस्कार
5.	श्री आर. अनीश और श्री लीजू वर्गीस, पुन्नालूर (केरल)	पटरी पर गिरे हुए वृक्ष को देखा और 748 पैसेंजर गाड़ी को रुकवाया	दक्षिण	प्रत्येक को 500/- रुपये का नकद पुरस्कार
6.	एस. के. महबूब सुबानी, डी-नं. 1-1-25, II वार्ड, रामाकृष्णापुरम, बापतला (आंध्र प्रदेश)	22.6.2005 को पटरी की टूटफूट को देखा और 428 पैसेंजर गाड़ी को रुकवाया	दक्षिण मध्य	300 रुपये का नकद पुरस्कार
7.	श्री नागमल्लेश्वरा राव सुपुत्र श्री नागैया, आईस मशीन के नजदीक, पेदाना (आंध्र प्रदेश)	01.12.2005 को पटरी की टूटफूट को देखा और डी-107 गाड़ी को रुकवाया	दक्षिण मध्य	300 रुपये का नकद पुरस्कार
8.	श्री दशरथ अम्बे, महादेव वाडि नजदीक बेलवंडी गांव, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र	28.08.2004 को पटरी की टूटफूट को देखा जब वहां से एक हल्का इंजन गुजरने वाला था	मध्य	250/- रुपये का नकद पुरस्कार
9.	श्री मारुति निम्गटे, दुधिया/जेयर, जिला सोलापुर (महाराष्ट्र)	27.7.2004 को वेल्डन की टूटफूट को देखा जब 2158 हुतात्मा एक्सप्रेस गुजरने वाली थी	मध्य	प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।
10.	श्री गजानंद उर्फ गजराज सिंह यादव, सुपुत्र श्री शालिग्राम यादव, गांव हीरापुर (मध्य प्रदेश)	10.01.2005 को पटरी की टूटफूट को देखा और 1182 एक्सप्रेस गाड़ी को रुकवाया	उत्तर	10,000 रुपये का पुरस्कार स्वीकृत किया गया है

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Rail Accidents

†*104. SHRI MOTILAL VORA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of rail accidents averted due to public alertness during the last two years;

(b) the names and addresses of the persons who helped in averting these accidents;

(c) the reward given to these people by Governments; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI R. VELU): (a) to (d) A Statement is laid on the table of the Sabha.

Statement

(a) Ten accidents were averted in last two years (during 2004-05 and current year 2005-06 till date) by alert public.

(b) and (c) The details of persons and awards given to them are as under.

S.N.	Name and address	Details of accidents averted	Zonal Railway	Details of reward by Railway
1.	Smt. Amla Mary, Kalkulam, Kanyakumari and Sri Devrajan Patlavalai, Kanya Kumari (TV)	Observed rubble/debri fallen on track and alerted driver of 371 passenger on 09-07-04.	Southern	Cash award of Rs.2500/- each.
2.	Shri Bhaulal Radhaji Deore & Hari Chandra Radhaji Depre, Vill: Saigoan, Tq. Yeola, Distt. Nasik, Maharashtra	Observed weld fracture on 03-05-2005 and stopped 591 passenger train	South Central	Cash award of Rs. 2500/- and citation certificate

† Original notice of the question was received in Hindi.

S.N.	Name and address	Details of accidents averted	Zonal	Details of reward by Railway
3.	Shri Bhimanna, S/o Sainna, Manchivellipalli, VIII: Mehboobnagar (AP)	Observed rail fracture on 29-11-2005 and stopped 568 passenger train.	South Central	Cash award of Rs. 1000/-
4	Shri Govindappa Daroji, Thimlapur, Bellary, Karnataka	Observed multiple rail fracture on 01-08-04 and stopped 6591 train.	South Western	Cash award of Rs. 1000/-
5	Sri R aneesh and Shri Liju Vergese, Punalur (Kerala)	Observed tree fallen on 09-07-04 and stopped the 748 passenger train.	Southern	Cash award of Rs. 500/-
6.	S.K. Mehboob Subani, D-No. 1-1-25, II Ward, Ramkrishnapuram, Bapatla (AP)	Observed rail fracture on 22-06-2005 and stopped 428 passenger train.	South Central	Cash award of Rs. 300/-
7.	Ch. Nagamalleswara Rao, S/o Ch. Nagaiah, Near Ice Machine, Pedana (AP)	Observed rail fracture on 01-12-2005 and stopped D-107 train.	South Central	Cash award of Rs. 300/-
8.	Sri Dashrath Ambe, Mahadeo Wadi near Belwandi Village, Dist. Ahmednagar, Maharashtra	Observed rail fracture on 28-8-2004 while one light engine was to pass.	Central	Cash award of Rs. 250/-
9.	Sri Maruti Nimgate, Milkman/Jeur, Distt. Solapur (Maharastra)	Observed weld fracture on 27.07.2004 while train 2158 Hut atma Exp. was about to pass.	Central	Appreciation letter was given
10	Sri Gajanand *alias* Gajraj Singh Yadav, s/o Sri Shaligram Yadav, Village Hirapur (MP)	Observed weld fracture on 10.01.2005 and stoped 1182 express train.	North	Cash award of Rs. 10,000/- has been sanctioned

(d) Does not arise.

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, रेल राज्य मंत्री जी ने अपने उत्तर में ऐसी दस घटनाओं का उल्लेख किया है जिनमें लोगों ने रेल दुर्घटनाओं को रोका है। मैं माननीय रेल राज्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आपके उत्तर में जो दसवें नम्बर पर श्री गजानंद उर्फ गजराज सिंह यादव है, इस व्यक्ति ने 10 जनवरी, 2005 को रेल दुर्घटना रोकने की दिशा में प्रयास किया। रेलवे के अधिकारियों ने उनसे कहा कि एक लाख रुपया हम इसमें पुरस्कार के रूप में देंगे और आपको

नौकरी देंगे। माननीय सभापति महोदय, 10 जनवरी 2005 से लेकर लगातार गजराज सिंह यादव रेलवे मंत्रालय के चक्कर काटते-काटते थक गया है। मैंने रेल राज्य मंत्री जी को कई पत्र लिखे, तो अब उसके लिए 10,000 रुपये का पुरस्कार स्वीकृत किया गया है, जबकि रेलवे के अधिकारियों ने उससे कहा था कि हम आपको एक लाख रुपये का पुरस्कार दिलायेंगे और आपको नौकरी दिलायेंगे। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि रेल मंत्रालय को भेजे गये सारे पत्रों के बावजूद आपने मात्र 10,000 रुपये उसे दिये, जबकि रेल अधिकारियों ने उसे एक लाख रुपये की राशि दिलवाने के लिए कहा था, तो क्या आप एक लाख रुपये की राशि श्री गजराज सिंह यादव को देंगे?

श्री सभापति: क्या एक लाख रुपये देने के लिए ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, क्या रेलवे के अधिकारियों ने उसे एक लाख रुपये देने के लिए लिखकर दिया था या जुबानी बात कही थी? ...(**व्यवधान**)... एक मिनट ठहरिये। क्या लिखकर दिया था कि एक लाख रुपये दिये जायेंगे और नौकरी दी जायेगी या केवल जुबानी बात कही थी?

SHRI R. VELU: Sir, for the information of the House, I may place before the House the kind of accidents that could occur on account of rail fractures. In fact, 8,000 to 10,000 rail fractures happen in our country every year. Of them, merely, ten cases have been reported by the persons other than the Railway staff. Now every bit of the Railway track is being inspected daily by the key men and the patrolling men. They are reporting the rail fractures as well as the weld fractures.

MR. CHAIRMAN: Please come to the main question.

SHRI R. VELU: Sir, I am coming to that. In the case of this incident which occured on 10.1.2005, what happened was, Shri Gajraj Singh, who was strolling there found a rail fracture, not a breach as reported by the hon. Member. He took his towel out and waived it in order to stop the train. The driver and the guard of the train came to the spot and appreciated this man.

MR. CHAIRMAN: That is not the question. The question is whether the Railways has assured him or not.

SHRI R. VELU: Now the hon. Member says that Rs. 1lakh was promised to him.

MR. CHAIRMAN: Whether such as assurance was given to him or not!

SHRI R. VELU: The hon. Minister of Railways passed an order for giving him Rs. 10,000 as an award.

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, मैंने माननीय मंत्री जी को जो पत्र लिखा था, मैंने उसमें इस बात का उल्लेख किया था,

"The drivers of the train, Shri R.C. Sharma and Shri Pathak, inspected the track and noticed the breaches. The Railway officials who reached the spot later on and the passengers of the train expressed their gratitude to the young man. The Railway officials promised him a reward of Rs. 1 lakh and a job in the Railways."

श्री सभापति: इसकी जरूरत नहीं है, यह तो आप अपने लेटर के बारे में बता रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, मेरे पूछने का मतलब है कि रेलवे के जबावदेह अधिकारी अगर घटना-स्थल पर पहुंच कर इस बात को कहें और रेल मंत्रालय को इस बात की जानकारी दें, तो एक लाख रुपये के पुरस्कार के स्थान पर केवल दस हजार रुपये देना कहां तक उचित है? वह नौकरी के लिए लगातार वहां पर दस्तक दे रहा है, उसके बाद भी उसे नौकरी नहीं मिली है। क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या उस गजराज सिंह यादव को नौकरी, आप नौकरी देंगे?

SHRI R. VELU: First of all, let me clarify that no official of the Railways visited the spot or for that matter they got the report. Now I have got the report from the Zonal Railways saying that the boy was called upon and it was explained to him as to what kind of award could be given to him. But he refused to take that amount and said that he shoulld be given Rs. 1 lakh and also a job in the Railways. As a matter of policy. We do not give any job to the persons who identify rail fractures. he is not eligible for either Rs. 1 lakh or for a job.

MR. CHAIRMAN: That is enough. Question No. 105. ...(*Interruptions*)...देखिए, अब आप बैठ जाइए, मैं अलाऊ नही करूंगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री वी. हनुमत राव: नौकरी देंगे, पैसा देंगे और उसके बाद ...(**व्यवधान**)... लोग मर जाते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: जो क्वेश्चन पूछ लिया, the Member is satisfied. I won't allow

...(*Interruptions*)... Q. No. 105 ...(*Interruptions*)... आज रेलवे का बजट पेश हो रहा है, वहां जाकर आप सुन लीजिए और फिर यह आ जाइए। ...(व्यवधान)...

Cut in administrative expenses of Hospitals

*105. SHRI TARIQ ANWAR: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is fact that a large amount of fund sanctioned for hospitals are utilized for salary and other administrative expenses especially in AIIMS, Safdarjung Hospital and Dr. R.M.L. Hospital;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether Government are planning any project for cutting down their administrative costs?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. ANBUMANI RAMADOSS): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

The All India Institute of Medical Sciences, New Delhi; the Safdarjung Hospital, New Delhi and Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, provide various patient care services including super speciality services. Besides providing critical care services, they also supply drugs free of cost as per Drug Formulary. The emergency services provided in these hospitals are totally free. The Undergraduate and Post Graduate Medical Education are also being offered in these Institutions. The expenditure on account of salary and administrative expenses need to be viewed in the perspective of the substantial number of patients attending OPD and being admitted in the wards. These Institutions are, therefore, required to be deployed with the appropriately qualified personnel for providing these services. The Institution has to meet the ever increasing patient load year to year and accordingly the hospitals are required to maintain the required level of services. However, on a perusal of a comparative expenditure over the last 3 years on salary and administrative expenditure also shows there is no significant rise in the expenditure.